वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 215 | बुधवार 30 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कथक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

जयपुर. शाबाश इंडिया

छह साल कलाकार से लेकर बड़े और अनुभवी कलाकारों ने जयपुर घराने के कथक की खूबसूरती को किया बयां

जवाहर कला केन्द्र के रंगायन सभागार में मंगलवार को उपांग कथक नृत्य कला केन्द्र का वार्षिकोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था निदेशक जय कुमार जंवडा के सानिध्य में स्टूडेंट्स ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम की शुरूआत छह वर्षीय नन्हीं बालिका त्रियंबिका चतुर्वेदी की गणेश वंदना से हुई। इस भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की आगे श्रृंखला में चक्कर, परण तोड़ो के जरिए प्रभावशाली शिव स्तुति के जरिए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गायन में भी नीलम चतुर्वेदी, चित्रा सिंह, आभा, मुक्ता, निधि काबरा और वीरेश ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को भी गाने के लिए प्रेरित किया। नृत्य में पोशाली, नंदिनी, भव्या, प्रशस्ति, समृद्धि और हनविका जैसी सधी हुई नृत्यांगनाओं ने समां बांध दिया। कार्यक्रम में कलाकारों ने जयपुर घराने की खूबसूरती को प्रस्तुतियों के जरिए बयां किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोटा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बीएम शर्मा मौजूद रहे। उन्होंने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की और कलाकारों को प्रोत्साहित किया। इसमें छह साल से बड़ी उम्र के कलाकारों ने असरदार प्रस्तुति दी। जयकुमार जंवडा ने अतिथियों का स्वागत किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में जयकुमार जंवडा ने असरदार प्रस्तुति दी। मंच संचालन राजेश आचार्य और शुभम आचार्य ने किया।

जयपुर एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 31 लाख का सोना

जयपुर. कासं

जयपुर एयरपोर्ट पर कस्टम्स अधिकारियों ने 582.200 ग्राम वजन के सोने के छह बिस्कुट पकड़े। इनकी कीमत 31.44 लाख रुपए बताई जा रही है। सोना तस्करों के खिलाफ जयपुर एयरपोर्ट की विशेष टीम निगरानी बनाए हुए हैं। कस्टम अधिकारियों ने बताया- सोमवार को रात करीब 11 बजे दुबई से जयपुर पहुंची फ्लाइट से उतरे यात्री के बैग की जांच की गई थी। उस में सोने की छह बिस्कुट मिले। इसके बाद यात्री से पूछताछ की गई, लेकिन उसके सही जवाब नहीं मिला। आरोपी सीकर का रहने वाला है। दुबई काम के लिए गया था।

मेयर सौम्या की दो टूक; काम के लिए मेरे, डिप्टी मेयर के पास न आएं

जयपुर में खतरनाक नस्ल के कुत्ते पालने पर लगेगी रोक

जयपुर. शाबाश इंडिया

डिप्टी मेयर और चेयरमैन में विवाद

जयपुर में खतरनाक नस्ल के कुत्ते पालने पर रोक लग सकती है। नगर निगम ग्रेटर की ओर से मंगलवार को हुई कार्यकारी समिति की बैठक में ये प्रस्ताव पास किया गया है। बैठक में मेयर सौम्या गुर्जर ने भी स्ट्रॉन्ग मैसेज दिया। कहा- काम के लिए मेरे, डिप्टी मेयर के पास न आएं। हालांकि बैठक में इखढ के पार्षदों और चेयरमैन में खींचतान सामने आई हैं। पार्षद दो गुटों में बंट गए। एक गुट मेयर सौम्या गुर्जर और दूसरा गुट डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट के साथ दिखा। दरअसल, मंगलवार को नगर निगम ग्रेटर में कार्यकारी समिति की बैठक थी। बैठक करीब 4 घंटे चली और 31 में से 9 ही एजेंडे पास हो सके। इनमें उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत के नाम से सड़क का नामकरण करने के साथ ही शहर को ओपन कचरा डिपो मुक्त करने का प्रस्ताव प्रमुख रहा। बैठक में मेयर सौम्या गुर्जर ने विरोधियों को भी करारा जवाब दिया। साथ ही अपने सहयोगियों का भी पूरा सपोर्ट किया। उन्होंने इतना तक कह दिया कि निगम में अब जनप्रतिनिधियों को काम करना है तो सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को साथ लेकर चलना पड़ेगा। उन्होंने चेयरपर्सन को अपनी शक्तियां याद दिलाते हुए मैसेज दिया कि जो छोटे-छोटे काम के लिए मेयर-डिप्टी मेयर के चैम्बर में जाते हैं। वे आगे से न जाएं। उन्हें किसी भी काम के लिए हमारे पास आने की जरूरत नहीं है। उन्हें एक्ट में इतने अधिकार प्राप्त है कि वे अपनी समिति से संबंधित हर निर्णय करने के लिए स्वतंत्र है। बैठक के बाद मेयर सौम्या गुर्जर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज हमने बैठक में सबसे अहम निर्णय शहर को कचरा डिपो फ्री करने का लिया है।

सड़कों के नामकरण को लेकर डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत, चेयरमैन रमेश सैनी और पार्षद दिनेश कावंट के बीच भी हॉट-टॉक हुई। पार्षद कांवट ने पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत के नाम से सड़क का नामकरण रखने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर डिप्टी मेयर और चेयरमैन रमेश सैनी ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि इतने बड़े व्यक्ति का नाम इतने छोटे मार्ग के लिए रखना ठीक नहीं होगा। इस पर कांवट ने जवाब देते हुए कहा कि मेरे क्षेत्र की चिंता आप करना छोड़ दीजिए। हालांकि बाद में मेयर ने इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी।

आयुक्त ने किया अफसरों का बचाव

डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत ने प्रोजेक्ट एक्सईएन मनोज शर्मा पर सफाई की टेंडर प्रक्रिया में लापरवाही करने का आरोप लगाया। डिप्टी मेयर के इस आरोप से नाराज एक्सईएन ने मीटिंग में खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग करने की बात कही। आरोप के बचाव में खुद कमिश्नर महेन्द्र सोनी उतरे और उन्होंने कहा कि आप इस तरह बेबुनियाद आरोप नहीं लगा सकते।

प्रस्ताव पास करने को लेकर भी टकराव

बैठक में चेयरमैन राखी राठौड़ और जितेन्द्र श्रीमाली में टकराव नजर आया। श्रीमाली ने एजेंडा के सकुर्लेशन पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक दिन पहले ही हमें एजेडा मिला है। ऐसे में इसे कैसे पास किया जाए। इस पर राखी राठौड़ ने आपत्ति उठाई। कहा- जिस पर आपको आपत्ति है उस पर बोल दो। हर प्रस्ताव को रोकना ठीक नहीं है।

गणाचार्य विरागसागर की जन्म भूमि पथरिया मे मनाया चालीसवां मुनि दीक्षा दिवस

पथरिया. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव राष्ट्रसंत गणाचार्य 108 विराग सागर जी महाराज का 40 वां गुरु उपकार दिवस मुनि दीक्षा महोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ हर्षोल्लास से उन्ही की जन्म भूमि पथरिया नगर मे उन्ही के मंगल सानिध्य में आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर धर्मशाला प्रांगण मे संपन्न हुआ। इस अवसर पर युवाओं ने संपूर्ण पथरिया नगर में वाहन रैली धर्म ध्वज एवं जयकारों के साथ निकाली तथा जैन समाज ने आचार्य परमेष्ठी विधान किया और 40 थालियों में पाद प्रक्षालन ,40 शास्त्र भेंट कर गुरु भक्ति चरणों में समर्पित की। इस अवसर पर कारंजा भिंड, गढ़ाकोटा , बीना, दमोह, झांसी , सागर सहित बुन्देलखण्ड के विभिन्न आंचलों से गुरु भक्त ने पधारकर आचार्यश्री से आशीर्वाद प्राप्त किया। हुकुमचंद जैन छोरे कारंजा वालों ने पूज्य गुरुवर के छुल्लक अवस्था की स्मृतियां को जनमानस के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बतलाया कि पूज्य आचार्य श्री ने 44 वर्ष पूर्व क्षुल्लक अवस्था में हमारे नगर कारंजा में चातुर्मास कर अपनी संयम क्रिया के द्वारा समस्त कारंजा को धर्म से जोड़ा था। उन्हें छोटे छुल्लक जी को आज इतने बड़े आचार्य के रूप में पाकर आनंदित हूं। इस अवसर पर पूज्य गुरुवर आचार्यश्री ने अपनी दीक्षा के 40 वर्षों का अनुभव बतलाते हुए कहा कि पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज की अनुकंपा और आशीष का ही प्रभाव है कि दीक्षा के 40 वर्ष संयम के साथ ऐसे बीते कि समय का ही पता नहीं चला। आचार्य श्री ने कहा कि जीवन मिला है तो संयम धारण कर लीजिए क्योंकि मनुष्य पर्याय बड़ी दुर्लभ है, आज हमें मनुष्य भव मिला ,यदि धर्म के साथ बिताया तो निश्चित ही सद्गति होगी और यदि यूं ही भोगो में बिताई तो निश्चित है कि दुर्गति में ही जाना पड़ेगा , मैं भी क्षुलल्क अवस्था में पूज्य आचार्य श्री के पास मात्र दर्शन करने गया था किंतु पूज्य गुरुदेव का ऐसा प्रभाव पड़ा और आचार्य गुरुदेव ने अपने निमित्त ज्ञान के द्वारा पहले ही बोल दिया कि तू मेरे पास ही दीक्षा लेगा , यद्यपि मैंने तो ऐसा विचार ही नहीं किया था किंतु काललब्धि और योग्य निमित्त ही कहें कि मेरी दीक्षा पूज्य गुरुदेव के कर कमलों से ही हो गई। आज 40 वर्ष हो गए इस पावन अवसर को। उन्हीं गुरुदेव की अनुकंपा रही दीक्षोपरांत उनका संबल बना रहा और सहज ही उन्नति के रास्ते खुलते गए। ज्ञातव्य है कि पूज्य गणाचार्य गुरुदेव की मुनि दीक्षा महाराष्ट्र औरंगाबाद में परम पूज्य निमित्त ज्ञानी आचार्य श्री विमल सागर जी महाराज के द्वारा मगसिर शुक्ल सप्तमी (सन 1983) के पावन दिवस संपन्न हुई थी। **वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन रागी / रत्नेश जैन बकस्वाहा जिला छतरपुर मध्य प्रदेश।**

सखी गुलाबी नगरी ने सेवा बाल भारती की बालिकाओं को गजक व कंबल वितरित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया। सखी गुलाबी नगरी के सामाजिक सेवा कार्यक्रम के तहत महेश नगर कच्ची बस्ती स्थित सेवा बाल भारती विद्यालय में बालिकाओं को कंबल दिये वगजक वितरित की । साथ ही उनके साथ मनोरंजन कार्यक्रम किया। अध्यक्ष सारिका जैन ने बताया कि यह अनाथालय श्रीमती विमला कुमावत संचालित करती है और सभी बच्चो की पढ़ाई और विकास की ज़िम्मेदारी वे खुद ही देखती है। यहाँ पर रहने वाली कुछ बालिकाओं का अच्छी जगह पर नौकरी के लिए चयन हो चुका है और इन्ही में से कुछ सरकारी,बैंक, अध्यापिका आदि की परीक्षा देने के लिए अध्यनरत है। साथ ही सचिव स्वाति जैन ने बताया कि वहाँ के सभी बच्चे काफी टेलेंटेड व सभी सांस्कृतिक गतिविधियों में निपुण है। कार्यक्रम में सखी गुलाबी नगरी की उपाध्यक्ष अनिता जैन, कोषाध्यक्ष नेहा जैन भी उपस्थिति रही।

आचार्य वैराग्य नन्दी महाराज ससंघ का 3 दिसंबर को श्री महावीर जी में होगा भव्य मंगल प्रवेश

बुधवार को दौसा में उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज से होगा भव्य मंगल मिलन, पदमपुरा से हुआ मंगल विहार प्रतिदिन 30 किलोमीटर का कर रहे पद विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैनाचार्य 108 वैराग्य नन्दी महाराज ससंघ का 21 पिच्छिकाओं सहित दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में शनिवार,3 दिसम्बर को भव्य मंगल प्रवेश होगा। इससे पूर्व आचार्य श्री ससंघ का बुधवार,30 नवम्बर को प्रातः दौसा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल मिलन होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ डूंगरपुर जिले के रामगढ़ कस्बे से चलकर भीलवाड़ा जहाजपुर, केकड़ी , बघेरा, टोंक ,निवाई ,चाकसू, होते हुए रविवार,27 नवम्बर को सायंकाल श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा पहुंचे जहां रात्रि विश्राम के बाद सोमवार,28 नवम्बर को दोपहर बाद श्री महावीर जी की ओर मंगल विहार कर गये। मंगलवार,29 नवम्बर को प्रातः मोहनपुरा के श्री दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। पी डब्ल्यू डी चौकी में आहार चर्या हुई। श्री जैन ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ का बुधवार,30 दिसंबर को दौसा के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रातः भव्य मंगल मिलन होगा इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन एवं श्रद्धालुगण शामिल होंगे। जैन के मुताबिक आचार्य श्री ससंघ सिकन्दरा, गुढ़ाचंद्रजी, नादौती होते हुए शनिवार 3 दिसंबर को श्री महावीरजी पहुंचेंगे। जहा चल रहे भगवान महावीर के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में शामिल होकर भगवान महावीर के दर्शन लाभ प्राप्त करेंगे। इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ सहित अन्य साधु संतों से भव्य मंगल मिलन होगा। आचार्य श्री वैराग्य नन्दी महाराज प्रतिदिन 30 किलोमीटर से अधिक दूरी का पद विहार कर रहे हैं। आचार्य श्री के साथ 21 दिगंबर साधु संत व आर्यिका माताजी साथ में चल रहे हैं।

रूवा द्वारा वर्तमान जीवन शैली का मनोवैज्ञानिक प्रभाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर वेबिनार आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

मेडिकल एवं हैल्थ प्रकोष्ठ, रूवा (राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था) की ओर से युवाओं की वर्तमान जीवन शैली का मनोवैज्ञानिक प्रभाव और उसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया जिसमे मुख्य वक्ता जयपुर की जानी मानी मनोवैज्ञानिक डॉ अनामिका पापड़ीवाल ने पोस्ट कोविड जीवन शैली, जो की वर्तमान जीवन शैली बन गई है, के दुष्प्रभावों पर, विशेष तौर से मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से चर्चा की। वर्तमान समय में मानसिक अवसाद, निराशा, आत्महत्या और घरेलू हिंसा की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई है। उन्होने इन दुष्प्रभावों से बचने तथा उन्हे दूर करने के उपायों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने टेक, ऍड बैक , प्रणाली अपनाने पर जोर दिया - अर्थात, टी -टॉक, लोगों से बात करें, ए-आस्क, अपनी समस्या के बारे में पूछें, के - कीप इन टच, लोगों से संपर्क में रहें, ई - ईट वेल, पौष्टिक भोजन लें, ए - एक्सेप्ट हू यू आर, अपने आप को एक्सेप्ट करें, डी- डू नॉट एडिक्ट, एडिक्शन से दूर रहें, डी - डू समथिंग,

डॉ अनामिका पापडीवाल
20 years experience
काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट
एवं साइकोथैरेपिस्ट
Founder Director
Psychological Counseling
Center, Malviya Nagar,
Jaipur9783944484

कुछ भी कार्य करें, ठाली न बैठें, बी - टेक ए ब्रेक, बीच में अवकाश लें, ए - एक्टिव इन लाइफ, अपने आप को व्यस्त रखे; सी- केयर फॉर अदर्स, दूसरों की सहायता करें और के - नो योरसेल्फ, अपने आप को जाने। उन्होंने बताया कि पोस्ट-कोविड के कुछ सकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिले, उदाहरण के तौर पर घर पर रहते हुये पुरुषों को घर के सभी दैनिक कार्यों में सहभागिता करने की आदत हुयी विशेष तौर से रसोईघर में साथ ही पारिवारिक रिश्तों में भी मजबूती आई। आरंभ में रूवा की अध्यक्ष प्रोफेसर दमयंती गुप्ता ने सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों पर अपने विचार रखे। वेबिनार के विषय की रूपरेखा बताते हुये डॉ मालती गुप्ता, वरिष्ठ प्लास्टिक सर्जन एवं रूवा के मेडिकल एवं हैल्थ प्रकोष्ठ की संयोजिका ने कहा की कोविड के दौरान ऐसा लगा कि जैसे जिंदगी के कुछ पन्ने अचानक से गायब हो गए हों, जैसे कि वो कभी थे ही नहीं, उनकी कोई **existence** थी ही नहीं और **covid** के बाद में कुछ ऐसे नए पन्ने जिंदगी में जुड़ गए जो पहले कभी थे ही नहीं। ज़िंदगी के जो पन्ने गायब हुये और जो नए जुड़े इनसे जो नए आयाम बने उन्होने जिंदगी जीने का तरीका और सलीका ऐसा बदला कि आम आदमी मानसिक रूप से अव्यवस्थित हो कर अपना मानसिक स्वास्थ्य कुछ हद तक खो बैठा। उन्होने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य तथा फि ज़िकल स्वास्थ्य में गहन संबंध है, फिजिकल फिट रहने के लिए मेंटली फिट रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होने इस बात पर

डॉ मालती गुप्ता

विशेष जोर दिया कि नकारात्मक ऊर्जा से सदैव दूरी बनाए रखें अथवा उसे तुरंत प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित करें। वेबिनार में भाग ले रहे सदस्यों विशेष तौर पर प्रोफेसर मधु माहेश्वरी, प्लास्टिक सर्जन, जे एल एन मेडिकल कॉलेज अजमेर डॉ प्रीतम पाल वरिष्ठ चिकित्सक एवं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता तथा डॉ पारुल मित्तल, प्रिन्सिपल, कैम्पस नर्सरी स्कूल, राजस्थान विश्वविध्यालय इत्यादि ने अपने विचार रखे, सुझाव दिये और प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का संयोजन तथा धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापन दिव्या शर्मा, जाइंट सेक्रेटरी रूवा ने किया।

पूज्य समकितमुनिजी मंगलवार को पहुचे रेनवाल

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

रेनवाल। जय जिनेंद्र सा, आगम मर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा., प्रेरनाकुशल भवान्तमुनिजी मसा, गायनकुशल जयवन्तमुनिजी मसा आदि ठाणा मंगलवार को निमेडा से विहार कर रेनवाल पहुचे। मार्ग में जगह-जगह श्रावको ने उनका वंदन-अभिनन्दन किया। कई श्रवको ने विहार सेवा का भी लाभ लिया। पूज्य संत बुधवार को रेनवाल से मंगलविहार करेंगे। पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के विहार यात्रा के तहत शुक्रवार एक दिसम्बर को जयपुर पहुचने की संभावना है।

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय देरांठू अजमेर मे मुख्यमंत्री निशुल्क यूनिफार्म वितरण योजना एवं बाल गोपाल दूध वितरण योजना का शुभारंभ किया गया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) राजकीय विद्यालय देराठू मे मगंलवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री निशुल्क यूनिफार्म वितरण एवं बाल गोपाल निशुल्क दूध वितरण योजना का शुभारंभ बड़ी धूमधाम से छात्रों और अभिभावकों के तिलक लगाकर के किया गया। इस अवसर पर छात्र छात्राओं को दूध वितरण किया गया और निशुल्क यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे गांव के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे । प्रधानाचार्य अनिल गोयल ने सरकार द्वारा जारी की छात्र/छात्राओं के हित इन दोनों योजनाओं की भूरी भूरी प्रशंसा की और छात्र छात्राओं एवं अभिभावकों को शिक्षा के प्रति अधिक से अधिक जागरूक होने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम मे प्रधानाचार्य अनिल गोयल, वरिष्ठ अध्यापक अनिल कुमार जैन, केशर सिंह रावत, सुल्तान खोकर, पवन कुमार, प्रार्थना अग्रवाल, उर्वशी तंवर, आइरिस मैसी, चेतना शर्मा, सुशील कपूर, महावीर सिंह रावत, सुरेंद्र कुमार तोसावडा, दुर्गा सिंह रावत ,आशीष कुमार दाधीच सहित समस्त स्टाफ सदस्य व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

जीवन जीने की कला...

अक्सर मनुष्य अपने भविष्य के संदर्भ में चिंतित रहता है। वह अतीत और भविष्य के बारे में सोचता रहता है और वर्तमान की कोई परवाह नहीं करता, जबकि जीवन वर्तमान में ही है। कल कभी नहीं आता, जो है आज है और अभी है। जो समय बीत गया, उसे याद करके मनुष्य को पछताना नहीं चाहिए। अगर अतीत में मनुष्य से कोई गलती हुई भी है, तो उसे उससे सबक लेकर अपने वर्तमान को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करना चाहिए। मनुष्य को भविष्य में आने वाले संकट को देखकर भी घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि यदि मनुष्य का वर्तमान आनंदित है, तो उसका भविष्य भी सुंदर होगा। जीवन जीने की कला का सूत्र यही है कि जन्म लेना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन इस जीवन को सुंदर कैसे बनाया जाय, यह हमारे हाथ में है। मनुष्य को हमेशा अपने साथ ईमानदारी से पेश आना चाहिए। उसका दोहरा नहीं, बल्कि एक ही व्यक्तित्व होना चाहिए। उसे अपनी शक्तियों और कमजोरियों का सटीक अनुमान होना चाहिए। वह अपने जीवन में क्या होना-बनना चाहता है, इसके लिए उसे अपनी क्षमता का आकलन करना चाहिए। जो व्यक्ति अपना सही मूल्यांकन नहीं कर पाते, वे अक्सर असफल होते हैं और इसके बाद वे अपने भाग्य को कोसते हैं, या फिर दूसरे को दोष देते हैं। इसके विपरीत सच्चाई यह है कि जब सपने हमारे हैं, तो कोशिशें भी हमारी हैं और इससे मिली सफलता या असफलता भी हमारी है। जब सफलता मिलती है, तो व्यक्ति कहता है कि यह उसकी मेहनत का फल है, लेकिन वह असफल होता है, तो भाग्य को कोसता है, जबकि सच्चाई यह है कि असफलता यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं किया गया। सफलता मनुष्य की इच्छाशक्ति के अधीन होती है। हालांकि केवल इच्छा करने भर से बात नहीं बनती है, बल्कि इच्छा को दृढ़ संकल्प में बदलना होता है। मन, बुद्धि और शरीर से इच्छित सफलता को पाने के लिए कठोर परिश्रम करने को तत्पर होना पड़ता है। जिस व्यक्ति में आत्मविश्वास का अभाव होता है, वह अपने जीवन में कुछ भी नहीं कर सकता है। जब एक छोटा-सा बीज, विशाल वृक्ष बनने की इच्छाशक्ति रख सकता है, तो मनुष्य अपना आत्मविश्वास इतना दृढ़ क्यों नहीं कर सकता है कि वह अपने व्यक्तित्व का विकास कर सके।

संपादकीय

सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के बीच खींचतान

सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सरकार और सर्वोच्च न्यायालय के बीच लंबे समय से खींचतान चली आ रही है। एक बार फिर केंद्रीय कानून मंत्री ने रेखांकित किया है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की लिए बनी कालेजियम संविधान की मंशा के अनुरूप नहीं है। यह व्यवस्था तीस साल पहले नहीं थी, तब सरकार ही जजों की नियुक्ति किया करती थी। केंद्र सरकार फिर से वही व्यवस्था वापस लाना चाहती है। कालेजियम को लेकर बहस एक बार फिर इसलिए छिड़ गई है कि सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से पूछा है कि निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति में उसने क्या प्रक्रिया अपनाई है। मौजूदा केंद्र सरकार अपने पिछले कार्यकाल में ही कालेजियम व्यवस्था को समाप्त करना चाहती थी, मगर कानूनी अड़चनों की वजह से ऐसा नहीं कर पाई। हालांकि ताजा उठे विवाद के संदर्भ में प्रधान न्यायाधीश ने संविधान दिवस के मौके पर कहा कि संवैधानिक लोकतंत्र में कालेजियम समेत कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं है और इसका समाधान मौजूदा व्यवस्था के भीतर काम करना है। दरअसल, कालेजियम व्यवस्था इसलिए बनाई गई थी कि सरकार की तरफ से की जाने वाली जजों की नियुक्ति में राजनीतिक स्वार्थ देखा जाने लगा था। इसलिए जब मौजूदा सरकार ने कालेजियम व्यवस्था समाप्त करने का प्रस्ताव रखा, तो फिर वही तर्क सिर उठाने लगे कि अगर सरकार जजों की नियुक्ति करेगी, तो उसे राजनीतिक प्रभाव से मुक्त रखने का भरोसा नहीं दिया जा सकता। कालेजियम व्यवस्था में जज ही जजों की नियुक्ति करते हैं। इसलिए बार-बार कहा जाता है कि इस तरह उन्हें पक्षपात करने का मौका मिलता है। उदाहरण के तौर पर कई नाम गिनाए जाते हैं, जो एक ही परिवार से चले आ रहे हैं। पिता न्यायाधीश रह चुका है, तो उसका बेटा भी जज बन जाता है। इसी तरह मित्रता और रिश्तेदारी निभाने के आरोप भी लगाए जाते हैं। हालांकि कालेजियम व्यवस्था में न्यायाधीशों की नियुक्ति प्रक्रिया में वैसी अंधेरगर्दी का उदाहरण शायद ही किसी के पास हो, जैसी सरकार द्वारा दूसरे महकमों के प्रधान का चयन करते समय देखी जाती है। ताजा प्रकरण निर्वाचन आयुक्त का है, जिसमें चौबीस घंटे के भीतर सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गई। इसलिए आशंका जताई जाती रही है कि सरकार द्वारा चुने जाने वाले जजों में निष्पक्षता का अभाव हो सकता है। हालांकि उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति में सरकार की भागीदारी भी होती है, पर अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जब सर्वोच्च न्यायालय द्वारा भेजे गए नामों में से कुछ नामों पर सरकार सहमति नहीं देती और कई बार अपेक्षाकृत कनिष्ठ को वरिष्ठता क्रम में आगे बढ़ा दिया जाता है। सर्वोच्च न्यायालय की साख अभी बनी हुई है, तो इसीलिए कि उसने खुद को काफी हद तक राजनीतिक दबावों से मुक्त रखा है। कालेजियम व्यवस्था के पक्षधर विशेषज्ञों की इस राय को दरकिनार नहीं किया जा सकता कि न्यायाधीशों की नियुक्ति का अधिकार इसलिए न्यायाधीशों को दिया गया कि वे उनकी योग्यता और प्रतिबद्धता को बहुत नजदीक से जानते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

दावों के बरक्स...

दिल्ली के अलग-अलग सरकारी महकमों में जैसे-जैसे भ्रष्टाचार के आरोप सामने आ रहे हैं, वैसे-वैसे यह साफ होता जा रहा है कि आम आदमी पार्टी के उदय के साथ लोगों में पैदा हुई उम्मीद अब कमजोर पड़ रही है। दिल्ली सरकार के स्कूलों में कक्ष निर्माण में घोटाले के आरोप पहले भी सामने आए थे। अब सतर्कता निदेशालय ने भी दिल्ली सरकार के एक सौ तिरानबे स्कूलों में दो हजार चार सौ पांच कक्षाओं के निर्माण में गंभीर अनियमितता और भ्रष्टाचार के मामले में मुख्य सचिव को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। निदेशालय ने तेरह सौ करोड़ रुपए के घोटाले की तरफ इशारा करते हुए एक विशेष एजंसी से इसकी जांच कराने की सिफारिश की है। गौरतलब है कि इसी मामले में 17 फरवरी, 2020 को केंद्रीय सतर्कता आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा था कि स्कूलों में कमरे बनवाने में अनियमितता बरती गई। तब वह रिपोर्ट दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय को सौंपने के साथ उससे आयोग ने सरकार की टिप्पणी के साथ जवाब मांगा था। मगर हैरानी की बात है कि तब से लेकर ढाई साल तक इस मामले में कोई प्रगति नहीं हुई। करीब तीन महीने पहले उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव से देरी की जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा था। इन घटनाक्रमों के बाद निदेशालय ने अपनी रिपोर्ट मुख्य सचिव को सौंपी है। अब दिल्ली सरकार इस आरोप को फर्जी बता रही है, जबकि कायदे से होना यह चाहिए था कि जब पहली बार ऐसे आरोप सामने आए थे, तभी दिल्ली सरकार को इस बारे में बिल्कुल स्पष्ट तस्वीर रख देनी चाहिए थी। मगर करीब ढाई साल तक इस पर कोई जवाब देना जरूरी नहीं समझा गया। इसी वजह से उपराज्यपाल को दखल देने की जरूरत पड़ी। हैरानी है कि एक ओर स्कूलों में भवनों और कक्षाओं के निर्माण को दिल्ली सरकार अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों के तौर पर पेश करते हुए इस क्षेत्र में अहम काम करने का दावा करती है, वहीं सबसे ज्यादा ईमानदार सरकार होने का प्रचार भी भाषणों से लेकर विज्ञापनों में लगातार चलता रहा है। मगर स्कूलों की कक्षाओं के निर्माण के मामले में सतर्कता आयोग और निदेशालय की रिपोर्टों ने इसके उलट संकेत दिए हैं। सब जानते हैं कि आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से हुआ था। अपने राजनीतिक जीवन के शुरूआती दौर में अरविंद केजरीवाल दिल्ली सरकार और अलग-अलग नेताओं पर लगे आरोपों का पुलिंदा लेकर जनता को यह भरोसा देते थे कि उनका मकसद भ्रष्टाचार का पूरी तरह खात्मा करना है। आंदोलन के बाद राजनीतिक पार्टी का गठन और सरकार बनने के बाद जनता के बीच यह उम्मीद पैदा हुई थी कि राजनीतिक दलों और सरकारों पर चारों तरफ लगते भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच एक नया विकल्प उभरा है। लेकिन कुछ समय की सक्रियता और दावों के बाद भी इस मुद्दे के खिलाफ कोई ठोस पहल या अभियान सामने नहीं आया। इसके उलट पिछले कुछ समय में शराब नीति में अनियमितताओं के बाद अब स्कूली कक्षाओं के निर्माण में घोटाले के आरोपों ने एक बार फिर यही साबित किया है कि दावों के बीच कोई राजनीतिक दल सत्ता में जाने के बाद क्या और कैसे काम करने लगता है।

गर्भ कल्याणक में श्रद्धालु हुए भाव-विभोर

तीर्थंकर की माता की हुई गोद भराई, वंदनीय की वंदना है, बंधन युक्त जीव की वंदना नहीं : मुनि श्री समत्वसागर महाराज

व्यक्ति के जीवन की संपूर्ण शुभ और अशुभवृत्ति उसके संस्कारों के अधीन है : मुनि श्री सुप्रभ सागर जी महाराज

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

कस्बा बानपुर में बस स्टैण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज ससंघ एवं मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में मंगलवार को गर्भ कल्याणक उत्तरार्द्ध की क्रियाएं विधि विधान के साथ की गईं। विधि विधान ब्रह्मचारी साकेत भैया के निर्देशन में में मुख्य प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश 'विन्नम' गुड़गांव, प्रतिष्ठाचार्य डॉ हरिश्चन्द्र जैन सागर, पंडित निर्मल जैन गोंदिया महाराष्ट्र, पंडित अखिलेश जैन के प्रतिष्ठाचार्योत्व में सम्पन्न हुआ। शांतिधारा का सौभाग्य सिद्धार्थ जैन मड़वैया परिवार को प्राप्त हुआ। मुनिश्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य शील जैन ट्रेंट हाउस को तथा शास्त्र भेंट महोत्सव के सौधर्म इन्द्र नितिन जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर गर्भ कल्याणक पर प्रवचन करते हुए मुनि श्री समत्व सागर महाराज ने कहा कि वंदनीय की बंदना है, बंधन युक्त जीव की वंदना नहीं है। जैन शासन में भगवान का अवतार नही होता अपितु किसी माँ के गर्भ से पुरुषार्थ करके भगवान बन जाता है। गर्भ के धर्म का नाम है सम्यकदर्शन जो जीव गर्भ के धर्म सम्यक्त्व को प्राप्त कर लेता है उसे फिर अधिक समय तक किसी माँ के गर्भ में नहीं आना पड़ता है। बहिरात्मा से अन्तरात्मा बनने का जो पुरुषार्थ करता है वही एक दिन परमात्मा बनता है। जब तक जीव अपनी कषायों को नहीं खोयेगा तब तक परमात्मा नहीं बन सकता। आज जिनका गर्भ कल्याणक मना रहे हैं उन शांतिनाथ ने दस भव पूर्व से प्रारम्भ की थी परमात्मा बनने की यात्रा और फिर हस्तिनापुरी में माता ऐरादेवी के यहाँ जन्म लिया। जो जीव काम पुरुषार्थ के समय में भी धर्म पुरुषार्थ को नहीं छोड़ता उसके गर्भ से ही परमात्मा, महात्मा का जन्म होता है। आज की संतान पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव से बिगड़ती जा रही है, जो लड़ लड़कर माँ-पिता को घर से बाहर कर देते लेकिन संतान तो वही है जो धर्म की संतति को आगे बढ़ाती है। परिवार नियोजन की आवश्यकता नहीं है अपितु अपनी वासनाओं को नियोजित करने की आवश्यकता है। आज गर्भ में ही गर्भावस्थ शिशु को मार दिया जाता है, माताओं! मत बनो सर्पिणी। गर्भपात महापाप है। तीर्थंकर बालक की माता की सेवा अष्ट कुमारी एवं छप्पन कुमारी देवियां करती हैं। मां की सेवा करके यह प्रदर्शित किया जाता है कि प्रत्येक संतान को अपने माता-पिता की सेवा करना चाहिए। महाआरती का सौभाग्य शील जैन टेंट हाउस मड़वैया परिवार बानपुर को प्राप्त हुआ। उनके निज निवास से गाजे-बाजे के साथ महाआरती लाई गयी। दोपहर में सीमंतनी क्रिया की गई जिसमें तीर्थंकर की माता की गोद भराई क्रिया पूर्ण की गई। जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने माता की गोद भराई कर धर्म लाभ लिया जिसे देखकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। भगवान के माता -पिता बनने का सौभाग्य दुलीचन्द्र जैन, नीलम जैन सागर को प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर मुनि श्री सुप्रभ सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा किशिशु को गर्भ में ही शिक्षा देना गभार्धान या फिर गर्भ संस्कार कहलाता है। अगर गर्भावस्था के दौरान मां सकारात्मक रहेगी, तो बच्चे की सोच व व्यवहार पर उसका असर पड़ेगा। धार्मिक ही नहीं वैज्ञानिक दृष्टि से भी इसका महत्व है। इस बात से हर कोई सहमत होगा कि गर्भावस्था के दौरान महिला जो खाती है, उसका असर शिशु पर जरूर होता है। उसी प्रकार महिला क्या सोचती है, क्या बोलती है व क्या पढ़ती है, उसका असर भी गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है। रात्रि में मंच कलाकार राजेन्द्र उमरगा, महाराष्ट्र के निर्देशन में भगवान के माता-पिता का दरबार, 16 स्वप्नों के फल का कथन, अष्ट देवियों व छप्पन कुमारियों द्वारा सेवा भेंट, समर्पण,महाराजा विश्वसेन का राज दरबार, राज्य व्यवस्था के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में महोत्सव की आयोजन समिति व उप समिति उल्लेखनीय योगदान रहा। आयोजन की सफलता के लिए महोत्सव समिति बनाई गई है जिसमें अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जैन चूना ललितपुर, कार्याध्यक्ष महेंद्र कुमार नायक बानपुर, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंघई बानपुर, महामंत्री अखिलेश चौधरी (क्षेत्र समिति), दिनेश कुमार जैन टीकमगढ़, उपमंत्री अनूप जैन मोंटू, जय मड़वैया, सोनू विशाल, मुख्य संयोजक सिंघई इंद्रकुमार जैन बानपुर, सह संयोजक नितिन मड़वैया, प्रासु सराफ, कोषाध्यक्ष राजेश सिंघई उपकोषाध्यक्ष पंकज मड़वैया, राजेंद्र सिंघई, प्रमेंद्र नायक , प्रदीप मड़वैया, स्वागत अध्यक्ष अमित जैन राजा कारी, मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ललितपुर,कपिल सराफ, जुलूस संयोजक सुनील होन्डा, राजेश जैन भट्टो, नीरज मिठया एवं सूर्य सागर पाठशाला कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय योगदान दे रहे हैं।

जन्म कल्याणक पर निकलेगा भव्य जुलूस, होगा जन्माभिषेक

महोत्सव के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि महोत्सव में तीसरे दिन तीर्थंकर बालक शान्तिकुमार का जन्मकल्याणक मनाया जाएगा। भावी भगवान के जन्मोत्सव को देखने श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। दोपहर में राज दरबार, जन्माभिषेक का भव्य जुलूस, पांडुक शिला पर अभिषेक, नृत्य नाटिका, शाम को संगीतमयी महाआरती, रात्रि में सौधर्म इंद्र द्वारा तांडव नृत्य, बालक शांतिनाथ का पालना व बाल क्रीड़ा का मंचन पात्रों द्वारा किया जाएगा।

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आज से, घटयात्रा जुलूस के साथ होगी शुरुआत

इंदौर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी स्फटिक मणी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हेतु छह दिवसीय श्री 1008 नेमिनाथ जिन बिंब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आज 30 नवंबर से 5 दिसंबर तक श्री कृष्ण पब्लिक स्कूल के पीछे महावीर नगर में आयोजित होगा। महोत्सव आचार्यश्री विद्यासागर जी एवं आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं श्रुत संवेगी मुनि श्री आदित्य सागर जी, मुनि श्री अप्रमितसागर जी एवं मुनि श्री सहज सागर जी के सानिध्य एवं उदासीन श्राविकाश्रम ट्रस्ट, समोसरण मंदिर ट्रस्ट एवं पंचकल्याणक महोत्सव समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित महोत्सव के तहत 6 दिनों में क्रमशः गर्भ कल्याणक (पूर्वार्ध), गर्भ कल्याणक (उत्तरार्ध), जन्म कल्याणक, तप कल्याणक,ज्ञान कल्याणक एवं मोक्ष कल्याणक उत्सव मनाया जाएगा। महोत्सव के अध्यक्ष हंसमुख गांधी एवं प्रचार संयोजक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि महोत्सव की शुरूआत घट यात्रा मंगल जुलूस के साथ होगी। जुलूस पुलक चेतना मंच के निर्देशन में कनाडिया रोड के नए

जैन मंदिर से प्रातः 7:30 बजे निकलकर महोत्सव स्थल महावीर नगर पहुंचेगा। जुलूस में मुनि संघ, महोत्सव के पात्र सौधर्म इंद्र इंद्राणी, कुबेर, महायज्ञ नायक, विधि नायक, एवं भगवान के माता पिता सहित सैकड़ों की संख्या में इंद्र, इंद्राणी एवं महिला पुरुष सम्मिलित होंगे। महिलाएं सिर पर मंगल कलश लिए और पुरुष वर्ग जयकारा लगाते हुए पैदल चलेंगे साथ में कर्नाटक का 20 सदस्यों का चिंडे बैंड भी अपनी प्रस्तुति देगा। जुलूस के महोत्सव स्थल पहुंचने पर मुख्य अतिथि सुनील मीना जैन ध्वजारोहण एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुखदयाल,राजेश जैन (लॉरेल परिवार)मंडप उद्घाटन करेंगे। पश्चात अभिषेक शांति धारा एवं मुनि श्री के प्रवचन एवं गर्भ कल्याणक के पूर्व की क्रियाएं होंगी।रात्रि में राजदरबार लगेगा और माता के 16 सपनों का प्रदर्शन होगा। समस्त मांगलिक क्रियाएं पंडित रतन लाल शास्त्री एवं प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद शास्त्री के निर्देशन में संपन्न होंगी। महोत्सव हेतु 30,000 स्क्वायर फुट का एक भव्य पंडाल बनाया गया है जिसे सुदर्शनीय बनाने में क्षेत्रीय पार्षद राजेश उदावत एवं समोसरण ग्रुप के अजीत जैन, शैलेश जैन, अभय जैन एवं सीए प्रदीप जैन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अहिंसा यात्रा के दौरान प्रदेशभर का दौरा कर जयपुर पहुंचे लुनिया

5 दिन में 50 से अधिक विधायकों से मिल गौ संरक्षण के लिए मांगेंगे समर्थन

जयपुर. शाबाश इंडिया

गौ वंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करो अभियान संयोजक हिन्दू युवारत्न गौ रक्षक विनायक अशोक लुनिया 18 नवंबर से राजस्थान प्रदेश का दौरा कर आज 5 दिवसीय प्रवास पर जयपुर पहुंचे है। जहां लुनिया ने गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करो अभियान के तहत जयपुर विधायक अशोक लाहोटी एवं गंगानगर विधायक गुरमीत सिंह कूनेर से मुलाकात कर समर्थन हासिल किया। लुनिया ने मीडिया को बताया कि वह 18 अगस्त 2022 से मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र का दौरा कर के इसी माह 18 नवंबर को राजस्थान में झालावाड़ से होते हुए आज जयपुर पहुंचे, जहाँ आज विधायक द्वय से मुलाकात कर समर्थन प्राप्त किया । आगामी दिनों में 50 से अधिक विधायकों से समर्थन मांगने हेतु मुलाकात करेंगे। लुनिया ने बताया कि वह देश भर के 4980 विधानसभा एवं विधान परिषद के सदस्यों सहित लोकसभा व राज्यसभा के 788 सदस्यों से मुलाकात करेंगे। आगे जानकारी देते हुए बताया कि राजस्थान से आगे वह हरियाणा, पंजाब, दिल्ली राज्यों का दौरा कर वहां के विधायक सांसदों से समर्थन मांगेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष ने भी दिया समर्थन

लुनिया ने कहा कि वह राजस्थान प्रवास के दौरान कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर गौ वंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए समर्थन मांगा जिस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गौ संरक्षण अभियान के पूरा

समर्थन रखने के साथ ही अभियान को सदन पटल तक पहुंचाने के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

अब तक 500 से अधिक जनप्रतिनिधियों का प्राप्त हुआ समर्थन

लुनिया ने बताया कि अब तक मध्यप्रदेश महाराष्ट्र राजस्थान के साथ ही कुछ अन्य राज्यों से मिलकर 500 से अधिक विधायकों - सांसदों से समर्थन प्राप्त हो चुका है व जल्द ही देश भर के माननीय 4980 विधायकों एवं 788 सांसदों से मुलाकात कर सभी का समर्थन प्राप्त कर राष्ट्रपति महोदया को गौ वंश को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए समर्थन पत्रों के साथ ज्ञापन देंगे।

प्राकृतिक खेती-बदलती परिवेश में आवश्यकता

उदयपुर. शाबाश इंडिया

विद्या भवन कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा पंचायत समिति गोगुन्दा के सभागार पर जहरमुक्त खेती को प्रेरित करने और बढ़ावा देने के लिए ''केवीके के माध्यम से प्राकृतिक खेती का विस्तार'' विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संजय धाकड़ द्वारा देशी गाय आधारित प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं के लिए फिल्म का प्रदर्शन किया। प्राकृतिक खेती की मौलिक अवधारणा भारतीय संस्कृति से प्रेरित है। संस्कृति का तात्पर्य मानव में संस्कार पूर्वक स्वीकृतियों के होने से है अर्थात मानव के द्वारा प्रकृति की हर वास्तविकता को जैसा है वैसा ही समझा और स्वीकारा जाये। यही प्राकृतिक खेती का मूल मंत्र है। प्राकृतिक खेती प्रत्येक मानव के जीने की आवश्यकता है। व्यवस्था के रूप में मानव और प्रकृति में गहरा संबंध है जिसे समझना और पूरकता पूर्वक निर्वाह होना ही प्राकृतिक खेती है। आज प्राकृतिक खेती की आवश्यकता इसलिए भी महत्वपूर्ण और अनिवार्य है कि प्रचलित आधुनिक खेती के कारण स्वास्थ्य, पर्यावरण, आर्थिक असंतुलन व कृषि के प्रति बढ़ती उदासीनता जैसी चुनौतियां तेजी से उभर रही हैं। प्राकृतिक खेती में प्रयोग रूप में यह देखा गया है कि प्राकृतिक उत्पादन व्यवस्था का स्वरूप पूरकता, विविधता, एवं नैसर्गिक संतुलन पूर्वक धरती की सतह पर निश्चित घनत्व में क्रियाशील है। जिससे एक ही खेत में अनेक फसलें साथ-साथ लगाये जाने से जो उत्पादन प्राप्त होता है वह मात्रा, गुणवत्ता एवं विविधता में एकल फसल प्रणाली से बहुत ज्यादा है। साथ ही भूमि की उर्वरता भी तेजी से बढ़ती है। विविध फसलों के अवशेष भूमि को मिलने से जीवाश्म कार्बन एवं पर्याप्त जीवाणु तंत्र समृद्ध रहता है। ताप-दाब-नमी का संतुलन बने रहने से कीड़े बीमारियों का नियंत्रण होना देखा गया है। बाहरी लागतों की निर्भरता नहीं के बराबर होती है।

वेदि प्रतिष्ठा महोत्सव मंदिरजी मुशरफान

प्रतिष्ठाचार्य :- पंडित निर्मल कुमार जी बोहरा

•(हल्द्यो का रास्ता,जयपुर)•

॥ जय जिनेन्द्र ॥

कार्यक्रम
दिनांक – 3 दिसम्बर, शनिवार–2022

. झण्डारोहण – प्रात: 7:00 बजे
. सकलीकरण एवं जाप – प्रात: 8:00 बजे
. यागमंडल विधान पूजा – प्रात: 10:00 बजे

कार्यक्रम
दिनांक –4 दिसम्बर, रविवार–2022

. अभिषेक शांति धारा – प्रात: 6:00 बजे
. जल यात्रा – प्रात: 7:30 बजे
. वेदि शुद्धि – प्रात: 9:00 बजे
. यागमंडल विधान पूजा – प्रात: 9:30 बजे
. हवन – प्रात: 11:00 बजे
. नवीन वेदि पर श्री जी विराजमान
. प्रात: – 11:50 बजे

झण्डारोहण कर्ता

श्रीमान माणक चन्द जी
कमला जी मुशरफ

सौधर्म इन्द्र

श्रीमान राकेश जी
नीतू जी मुशरफ

राज नायक

श्रीमान अरूण जी
अमिता जी मुशरफ

कुबेर इन्द्र

श्रीमान राजकुमार जी
अलका जी मुशरफ

ईशान इन्द्र

श्रीमान मनीष जी
रचना जी मुशरफ

सानत्कुमार इन्द्र

श्रीमान राजेश जी
गुनिवा जी मुशरफ

महेन्द्र इन्द्र

श्रीमान पंकज जी
नीना जी मुशरफ

लान्तवेन्द्र इन्द्र

श्रीमान रमेश जी
कल्पना जी मुशरफ

वेदि पर श्री जी विराजमान करने वाले पुण्यशाली

चन्द्र प्रभु

श्रीमान राकेश जी
संगीता जी मुशरफ

शांती नाथ

श्रीमान अंकेश जी
ईति जी पर्यांशी मुशरफ

पदमप्रभु

श्रीमान ऋषभ जी
सौम्या जी मुशरफ

आदिनाथ भगवान

श्रीमान राजेन्द्र जी
अनिता जी पाटनी

महावीर भगवान

श्रीमान दिनेश जी
कुमोद जी मुशरफ

चौबीस भगवान

श्रीमान राजीव पाटनी जी (मोनू)

3 व 4 दिसम्बर को भोजन व्यवस्था के पुण्यार्जक

श्रीमती पुष्पा देवी मुशरफ

प्रथम शांति धारा पुण्यार्जक

श्रीमान निहाल जी आशीष जी मुशरफ

श्रीमान रमेश पाटनी
9887050345
(अध्यक्ष)

श्रीमान अरूण जैन
9314506640
(मंत्री)

तेल की बूंद को झूठ का पानी कभी डूबो नहीं सकता : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

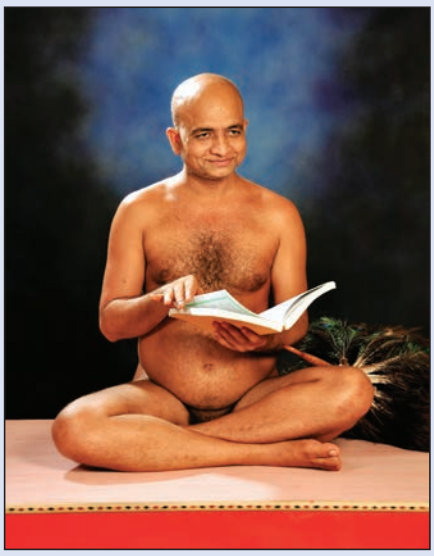

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

सत्य को तलवार काट नहीं सकती, जहर मार नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती। सत्य को पैसा खिलाकर दबा भी नहीं सकते। मौन सत्य है, झूठ सत्य का जामा पहनकर डांस कर रहा है, आखिर कब तक? एक व्यक्ति जान बचाकर भागते-भागते आया और सन्त के चरण में बैठ गया। बोला गुरूदेव - मेरे पीछे तीन बदमाश नंगी तलवार लेकर मारने आ रहे हैं। आप जीवन दान दो। सन्त ने कहा - वो सामने रूई का ढ़ेर लगा है, उसमें छिप जाओ, वह जाकर छिप गया। उतने में वो बदमाश आ गये। सन्त से पूछा - महात्मा जी, यहाँ कोई व्यक्ति आया क्या-? सन्त ने कहा - हाँ आया था। बदमाश ने पूछा कहाँ है वो-? सन्त ने कहा - वो रूई के ढ़ेर में छिपा है। बदमाश बोले - सन्त श्री आप भी मजाक करते हैं। रूई के ढ़ेर में वो क्यों छिपेगा-? सन्त ने कहा- वहीं छिपा है। वे बदमाश, सन्त को भला बुरा कहते हुये चले गये। जैसे ही बदमाश गये - वह व्यक्ति बाहर आया और सन्त से बोला - आप बड़े ढोंगी सन्त महात्मा हो। आपने हमको छिपा भी दिया और बदमाशों को बता भी दिया। आप तो मेरी जान से खिलवाड़ कर रहे थे। तब सन्त ने कहा - अरे भाई! हमने तुम्हें रूई से नहीं ढका था, मैंने तुम्हें सत्य से ढका था। सत्य पर कोई तलवार - वार नहीं कर सकती। तुम छिपे थे, ये सत्य है। हमने छिपाया, ये भी सत्य है। हमने कहा - वहाँ छिपा है, ये भी सत्य है क्योंकि हमने तुम्हें रूई से नहीं, सत्य से ढका था और वह सत्य इतना मजबूत था कि उन बदमाशों को भरोसा ही नहीं हुआ। वो उसे रूई का ढ़ेर समझ रहे थे और मैं सत्य देख रहा था। जो सत्य का जीवन जीते हैं, वही सन्त होते हैं...। नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

गाँव गुन्सी से विहार करके आर्यिका विज्ञाश्री माताजी संघ का निवाई मे मंगल प्रवेश

विमल जौंला. शाबाश इंडिया।

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य विराग सागर महाराज की शिष्या भारत गोरव आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ससंघ का सुबह श्री सन्त निवास नसियां मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि आर्यिका विज्ञाश्री माताजी गाँव गुन्सी से पुनः पद विहार करते हुए मंगलवार को नसियां मंदिर पहुंची जहाँ जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, ताराचन्द गोयल, विष्णु बोहरा, सुनील भाणजा, संजय सोगानी, नरेश जैन, शंभु कठमाणा, ज्ञानचंद सोगानी, पहाड़ी अशोक चंवरिया सहित अनेक लोगों ने आर्यिका संघ की अगुवानी की। जौंला ने बताया कि आर्यिका संघ गाँव गुन्सी से विहार करके मुंडिया चेनपुरा जमात रोड होते हुए सन्त निवास पहुंचे। सन्त निवास पहुंचने पर मूलनायक भगवान शांतिनाथ के दर्शन कर विश्व में शांति की कामना के लिए श्रद्धालुओं ने शांतिधारा की। इस दौरान धर्म सभा का आयोजन किया गया जिसमें मंगलाचरण विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल की अध्यक्ष शशी सोगानी, पिंकी कठमाणा एवं अनीता गोयल ने किया। श्रद्धालुओं द्वारा गणाचार्य विराग सागर महाराज का एवं आर्यिका विज्ञा श्री का पूजन किया गया। इस अवसर पर विज्ञाश्री माताजी ने कहा कि सन्तो के दर्शन करने से मंगल होता है। मनुष्य का अनायास ही पुण्य होता है जब नगर में सन्तो का आगमन होता है।उन्होंने कहा कि मनुष्य जीवन कपड़ा है मंगल से मंगल मिल जाए तो महामंगल हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रभावना का अर्थ है पुण्य इसलिए प्रत्येक मानव को सकारात्मक सोच बनाये जीवन में उन्नति ही पायेंगे। इस दौरान सत्यनारायण मोठूका, त्रिलोक रजवास, रामपाल चंवरिया, मोहनलाल चंवरिया, विमल सोगानी, जितेंद्र जैन सहित कई लोग मोजूद थे।

श्री महावीर जी मे सप्त ऋषि जिनालय का शिलान्यास समारोह सम्पन्न

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया

श्री सप्त ऋषि जिनालय सप्त ऋषि मार्ग श्री महावीर जी मे मंदिर शिलान्यास समारोह बड़ी धूमधाम से हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण निर्मला दीदी के मंगल स्तवन से हुई। मंच संचालन अनुष्ठानाचार्य कपिल भैया के द्वारा किया गया। भूमि स्वामी राकेश स्वामी का सम्मान किया व साफा माला पहनाया गया। कार्यक्रम में सप्त ऋषि जिनालय प्रणेता मुनि श्री प्रार्थना सागर जी गुरुवर व आचार्य श्री विद्यासागर जी गुरुदेव के शिष्य मुनि श्री अजीत सागर जी ससंघ व मुनि चिन्मय नंदी गुरुदेव का मंगल सानिध्य व वचनामृत सुनकर सकल समाज व भक्तजन आनंदित हुए। आयोजन के लिए परम पूज्य भारत गौरव स्वस्ति भूषण माताजी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हुआ जो गुडाचंद्र जी में विराज मान हैं। तत्पश्चात अभिषेक शास्त्री के विशेष मंत्रोच्चारण से शिलान्यास विधि संपन्न हुई । मुख्य शिला रोमिल दिनेश कुमार पाटनी सोनकच्छ परिवार दिल्ली के द्वारा, राजेश द्वारा मंगल कलश व अरुण अजय दिल्ली के द्वारा यंत्र स्थापना , गोपीचंद द्वारा स्वर्ण रजत शिला, एमसी जैन दिल्ली ताम्र शिला, व श्रीमति अन्नु जैन, अंतिमा पाटनी, सरिता, भारती बैंगलोर, नेहा जैन द्वारा पंच शिला, दूसरी वेदी महावीर प्रहलाद जी देवली निवासी व तीसरी वेदी नीरज महावीर देवली परिवार ने शीला रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

भगवान महावीर मस्तकाभिषेक महोत्सव का तीसरा दिन.....

भगवान महावीर के जयकारों से गूंज उठा श्री महावीरजी

पंचायती राज विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने किये भगवान महावीर की भू गर्भ से प्रकटित मूलनायक एवं नव प्रतिष्ठित खड्गासन प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक

जयपुर/श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में तीसरे दिन मंगलवार को राजस्थान सरकार के पंचायतीराज विभाग के शासन सचिव वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नवीन जैन सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आये 625 से ज्यादा श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। महामस्तकाभिषेक महोत्सव 4 दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2651 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया जाएगा। महोत्सव समिति के प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन ने बताया कि पंचायती राज विभाग राजस्थान के शासन सचिव वरिष्ठ आईएएस अधिकारी नवीन जैन ने मंगलवार को प्रातः सपत्नीक टीले से निकली अतिशयकारी 1 हजार वर्ष प्राचीन भगवान महावीर की मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा के तथा चरण छतरी के नजदीक नव प्रतिष्ठित 24फुट 1इंच की उतंग खड्गासन बिजोलिया पत्थर से निर्मित भगवान महावीर की प्रतिमा के जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इस मौके पर अध्यक्ष सुधान्शु

कासलीवाल, कार्याध्यक्ष विवेक काला, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन, संयोजक सुरेश सबलावत, पी के जैन, राकेश सेठी, देवेन्द्र अजमेरा,रुपिन काला सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मंगलवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः 8.15 बजे से हुए महामस्तकाभिषेक में भगवान महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रकटित मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने हेतु पुण्यार्जक श्रद्धालु परिवार नाचते गाते शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप मे मुख्य मंदिर पहुंचे। महोत्सव समिति के कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी ने बताया कि मंगलवार को महामस्तकाभिषेक के अन्त में मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई।महामस्तकाभिषेक महोत्सव में मंगलवार को नवरत्न कलश का सौभाग्य सुभाष सामरिया, रत्न कलश का जयपुर निवासी राजीव जैन गाजियाबाद, दिव्य कलश का अशोक जैन एवं नरेन्द्र, निखिल, राहुल बाकलीवाल ने पुण्यार्जन किया। शांतिधारा का सौभाग्य राज कुमार -मधु जैन एवं मित्तल परिवार ऋषभ विहार दिल्ली वालों को प्राप्त हुआ। अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंगलवार को राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया गया। राजस्थान सरकार के पर्यटन,कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा संयोजित इस कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा मनमौहक प्रस्तुतियां दी गई। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक बुधवार को वीणा कैसेट्स जयपुर के सौजन्य से राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा जिसमें कलाकारों द्वारा मनमौहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। जैन के मुताबिक दर्शनार्थियों के लिए मुख्य मंदिर दर्शन प्रातः 5.00 बजे से 7.00 बजे तक तथा सायंकाल 6.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक हो सकेंगे। मंदिर के नीचे स्थापित ध्यान केन्द्र की प्रतिमाओं के दर्शन प्रातः 8.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक हो सकेंगे।

यातायात नियमों की हो पालना, सड़क दुर्घटनाओं पर लगे लगामः जिला कलक्टर

जयपुर. शाबाश इंडिया

जिला कलक्टर श्री प्रकाश राजपुरोहित ने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये पुराने साइनेज को हटाकर नये साइनेज लगाए जाएं। श्री राजपुरोहित ने मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार

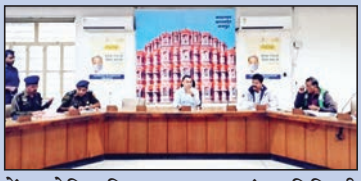

में आयोजित जिला यातायात प्रबंध समिति की बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने जयपुर जिले के शहरी, ग्रामीण क्षेत्रों के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर भारत सरकार के नये नोटिफिकेशन के अनुसार स्पीड लिमिट के साइनेज बोर्ड लगाने, राजमार्गों के प्रोटोकॉल के अनुसार चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के निवारण करने एवं जिले में यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने और राजमार्गों पर अनाधिकृत पार्किंग सहित रिफलेक्टिव टेप इत्यादि के उल्लघनों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही जयपुर विकास प्राधिकरण और राजस्थान राज्य सड़क विकास निगम के अधिकारियों को पिछली बैठक के बिन्दुओं की अनुपालना रिपोर्ट पेश करने के लिए निर्देशित किया गया है।

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर एक अद्भुत संस्था है: उद्योगपति प्रशांत जैन

नवीन सुधा कलेण्डर-2023 का भी हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर जयपुर पूरे भारत की एक अद्भुत संस्था है, जहां पर भारत के विभिन्न प्रान्तों के समागत विद्यार्थियों को विद्वान के रूप में तैयार किया जाता है। यहां के स्नातक विद्वानों के द्वारा पूरे देश के हजारों नगरों और ग्रामों में धर्म की गंगा बहाई है। मैं यहां आकर अत्यंत हर्षित हूं और मुझे विश्वास है कि यहां से तैयार हुए विद्वान भारतीय संस्कृति के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते रहेंगे। ये विचार एचडीएफसी म्यूच्यूअल फंड के पूर्व सीईओ मुंबई के सुप्रसिद्ध इन्वेस्टमेंट तथा आर्थिक विनियोग के प्रख्यात उद्योगपति प्रशांत जैन ने व्यक्त किया। इस मौके पर आगामी वर्ष 2023 को सुधा वर्ष मनाने के उद्देश्य से नवीन कलेण्डर सुधा कलेण्डर - 2023 का विमोचन भी किया गया। समारोह में उपाध्यक्ष ज्ञानचंद झांझरी, उत्तम चंद पाटनी, महावीर प्रसाद बज, कोषाध्यक्ष ऋषभ कुमार जैन, मंत्री सुरेश कुमार कासलीवाल, संयुक्त मंत्री दर्शन जैन, समाचार जगत संपादक शैलेंद्र गोधा, मोहित राणा, मुकेश बैनाड़ा, प्रदीप लुहाडिया, दिनेश गंगवाल और विनोद छाबड़ा मौजूद रहे। इस दौरान प्रशांत जैन ने रिटायर्ड आईएएस गुणायतन ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष एन सी जैन के साथ सांगानेर संस्थान के अंतर्गत संचालित संत श्री सुधासागर बालिका महाविद्यालय, छात्रावास के नवनिर्मित भवन का अवलोकन किया,साथ ही संघी जी मंदिर के निकट स्थित बालिका महाविद्यालय की छात्राओं के संयोजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रशांत जैन व गुणायतन ट्रस्ट के कार्याध्यक्ष एनसी जैन संस्थान के विकास के लिए हर प्रकार से सहयोग करने का न केवल आश्वासन दिया बल्कि बालिका संस्थान के नवनिर्मित भवन के पूरे ब्लॉक का निर्माण अपनी ओर से कराने की घोषणा भी की। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष एस के . जैन, निदेशक डॉ. शीतल चंद जैन ने भी प्रशांत व एनसी जैन का आभार जताते हुए निवेदन किया कि कि वे संस्कृति संरक्षण एवं बालकों के भविष्य निर्माण के इस पुनीत कार्य में संस्थान के संरक्षक परामर्शक मण्डल से जुड़कर सबको प्रोत्साहन करते रहें। कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए संस्थान की विभिन्न योजनाओं का परिचय भी प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बालिका महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा बालकों ने संस्कृत भाषण हिंदी काव्य पाठ एवं एकांकी प्रस्तुति द्वारा जीवन में संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया। प्राचार्य अरुण कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पूर्व संत सुधा सागर बालिका महाविद्यालय में अधिष्ठात्री शीला डोडिया, उपाध्यक्षा नीना पहाड़िया, निर्देशिका डॉ. वंदना जैन आदि पदाधिकारियों ने छात्राओं के साथ प्रशांत जैन एवं एनसी. जैन का स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम में बालिका महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए तथा बालकों ने संस्कृत भाषण हिंदी काव्य पाठ एवं एकांकी प्रस्तुति द्वारा जीवन में संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया।

तीये की बैठक

हमारे पूज्यनीय पिताजी

श्री राधेश्यामजी पटवारी

सुपुत्र : स्व. श्री मूलचन्दजी पटवारी (श्रीरामपुरा वाले)

का स्वर्गवास दिनांक 28.11.2022, सोमवार को हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 30.11.2022 को बुधवार सायंकाल 3 से 4 बजे तक राजकीय प्राथमिक विद्यालय, श्रीरामपुरा, सांभरीया रोड़, हिंगोनिया गौशाला के पास, कानोता मे रखी गई है।

शोकाकुल

सुशीला देवी (धर्मपत्नी),
सी.ए. सत्यनारायण - विजयलक्ष्मी , मदन लाल - करुणा (पुत्र-पुत्रवधु),
लक्षित, पार्थ, खुशहाल, दिव्यांशु (पौत्र) मीनल, पूर्वी (पौत्री),
विष्णु कूलवाल-गीता देवी, रामकिशन दुसाद-रामजानकी दुसाद, गिर्राज कासलीवाल-सुनीता (पुत्री-दामाद), सी.ए. अनील - मोनिषा (दोहिता-दोहिते की बहु), सी.ए. पवन - हर्षिता (दोहिती-दामाद), कृतिका (दोहिती), अवेक्ष, तनय, राघव दुसाद, श्रेष्ठ कासलीवाल (दोहिते)

ससुराल पक्ष

नीरज मामोडिया (बढ़वा वाले)

प्रतिष्ठान
SNG GROUP
फोन - 9414043141, 9314111945

पहुँचने के लीये बार कोड को स्केन करें

हरिवंशराय बच्चन की रचनाओं से सजी यादगार संगीत संध्या

जयपुर. शाबाश इंडिया

उत्तर छायावाद के शिखर कवि, साहित्यकार और कालजयी कृति 'मधुशाला' के महान रचनाकार डॉ. हरिवंशराय बच्चन की पुण्य स्मृति में जयपुर में सजी संगीत संध्या 'आ रही रवि की सवारी' यूनीक तथा यादगार बन गई। फिल्मी गीतों की ढर्रेगत पेशकश से हटकर एकदम नई कंपोजिशंस का ताजा गुलदस्ता... मानों रसिकों के लिए अनूठी, अनमोल सुरीली सौगात। यूनीक इसलिए कि बच्चनजी की तमाम रचनाओं को तो काव्य रसिकों ने खूब पढ़ा और समझा है. 'मधुशाला' को भी मन्ना डे के स्वर में सुना है, लेकिन उनकी प्रमुख रचनाओं का संगीत के साथ रसास्वादन करने का अवसर प्रायः नहीं मिलता। वैसे भी, गीति काव्य को संगीतबद्ध करना आसान होता है, लेकिन शुद्ध साहित्यिक रचनाओं को धुनों में ढालना जटिल और मुश्किल होता है। दीपक माथुर ने इस चुनौतीपूर्ण काम को मुकम्मल तरीके से अंजाम दिया । उन्हें तहे दिल से सलाम, बधाई, अभिनंदन, शुभकामनाएं और साधुवाद । कायस्थ समाज सेवा संस्थान और आर्ट बीट्स की ओर से यह आयोजन टोंक रोड पर नेहरू बालोद्यान के पास इंस्टीट्यूट ऑफ

इंजीनियर्स ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम में आकाशवाणी में कंपोजर दीपक माथुर के संगीत निर्देशन में कीर्ति पुरुष हरिवंशराय श्रीवास्तव 'बच्चन' की चुनिंदा 10 सरस रचनाएं प्रस्तुत की गईं। गुणी गायक संजय रायजादा के गाए 'मधुशाला' के एक बंद- 'पा जाएगा मधुशाला...' और गीत 'गिरजा से घंटे की टन टन' से संगीत संध्या का आगाज हुआ। फिर, अंबिका मिश्रा ने कोरस के साथ 'तुम गा दो मेरा गान अमर हो जाए...' , डॉ. उमा विजय ने 'संध्या सिंदूर लुटाती है...', 'आ रही रवि की सवारी...', सीमा मिश्रा ने 'दिन जल्दी जल्दी ढलता है...', चेतना टंडन ने 'साथी, सांझ लगी अब होने...', संजय रायजादा ने 'बीते दिन कब आने वाले...' और दीपक माथुर ने 'मुझसे चाँद

कहा करता है...' जैसी रचनाओं को अपने सुरों से साकार कर दिया. सभी मुख्य और सहगायकों के समवेत स्वरों में गाए दो गीतों- 'तारक दल छिपता जाता है...' तथा 'नीड़ का निर्माण फिर फिर...' के साथ इस आयोजन का समापन हुआ । दीपक माथुर ने पूरे मनोयोग, लगन और समर्पण से इन गीतों की संगीत रचना की। कीबोर्ड पर एस. बबलू, गिटार पर पवन बालोदिया, तबले पर पावन डांगी, हारमोनियम पर शेर खाँ और ऑक्टोपेड पर विमलसन ने अपनी सधी हुई संगत से उनका बखूबी साथ दिया । स्वर साधिका डॉ. उमा विजय ने बच्चनजी की रचनाओं के गहन अध्ययन के साथ सुरुचिपूर्ण संचालन किया । दक्षिण भारतीय होते हुए भी हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति उनका अनुराग तथा उच्चारण की शुद्धता प्रशंसनीय है । राजस्थानी संगीत के मर्मज्ञ के.सी. मालू, ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कवि लोकेश कुमार 'साहिल', कैलाश परवाल 'सरल', संगीत सेवी मुकेश अग्रवाल, आकाशवाणी में कंपोजर आलोक भट्ट और पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल के साथ शहर के साहित्य/संगीत रसिकों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर इस आत्मीयपूर्ण आयोजन की शोभा बढ़ाई । मालूजी ने अपने आशीर्वचन में सटीक बात कही कि बच्चनजी ने कविताओं की रचना ही नहीं की, बल्कि उनको भोगा भी हैं।

राहुल गांधी ने तपोभूमि के दर्शन कर तपोभूमि प्रणेता प्रज्ञासागर महाराज का लिया आशीष

उज्जैन. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र श्री महावीर तपोभूमि के दर्शन वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने किये व तपोभूमि प्रणेता मुनि श्री प्रज्ञा सागर महाराज का आशीष लिया। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी उनके साथ रहे। पूज्य गुरुदेव का हाथ पकड़कर गांधी साथ चले। पूज्य गुरुदेव ने उन्हे मंगल आशीष भी प्रदान की काफी समय राहुल गांधी गुरुदेव से धर्म चर्चा की। राहुल गांधी ने कहा की भगवान महावीर का सारा जीवन सद्भावना और करुणा के संदेश के लिए समर्पित था। आज जो तपोभूमि से जो प्रेरणा मिली सदा हमारा पथ प्रदर्शित करती रहेगी। **संकलित: अभिषेक जैन लुहाड़ीया रामगंजमंडी**

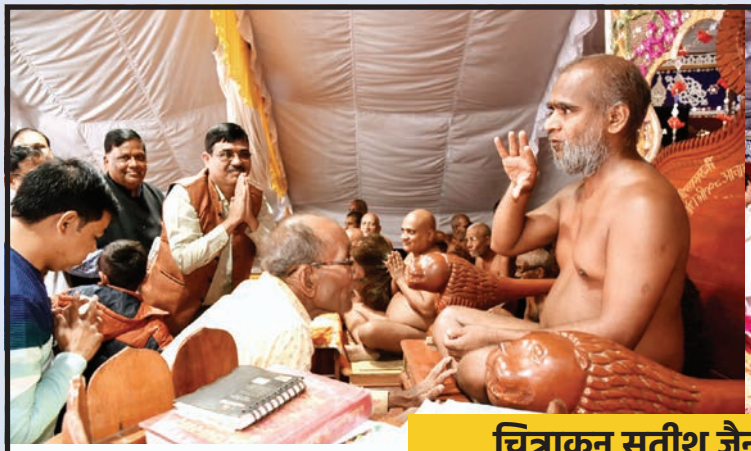

चित्राकन सतीश जैन अकेला ' जयपुर

श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में

श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का तीसरा दिन

दुनिया में वीतरागी परमात्मा से बढ़कर और कोई नहीं: आचार्य श्री सुनील सागर जी

जन्मकल्याणक जूलूस व 1008 कलशों की शोभायात्रा में गूंजे श्रीजी के जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

अरावली पर्वत श्रंखला के क्रम में वातावरण में स्थित अचरोल ग्राम मे श्री दिगम्बर जैन देशभूषण आश्रम में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरुदेव के पट्ट शिष्य चर्या शिरोमणि चंद्र से शीतल पर्वत सी अडोलता सूर्य से तेजस्वी और सागर से गंभीर आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ की पावन निश्रा में चल रहे 6 दिवसीय श्रीमज्जिनेन्द्र पार्श्वनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के तीसरे दिन मंगलवार को भगवान का जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस दौरान भव्यता के साथ निकली श्रीजी की शोभायात्रा और पांडुक शिला पर जयकारों के बीच 1008 कलशों से सौधर्म इन्द्र- इन्द्राणी ने सभी इन्द्र इन्द्राणियों के साथ भगवान का जन्माभिषेक किया। जन्मकल्याणक के अनुपम दृष्यों को देख श्रद्धालू भाव विभोर हो उठे। उक्त जानकारी देते हुए प्रचार संयोजक रमेश गंगवाल ने बताया कि मंगलवार को प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर जी गींगला उदयपुर व जयपुर के डॉ.सनत कुमार जैन व ब्रह्मचारी विनय भैया के निर्देशन में सुबह श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा के पश्चात हवन,जिनेन्द बाल सूर्य का जन्मकल्याणक संबंधी एवं सौभाग्यवती नारी के द्वारा आकर शुद्धि करना ,शचि इन्द्राणी द्वारा बाल शिशु को सौधर्म इन्द्र को सौंपने के दृश्य हुए। इस अपूर्व अवसर पर धर्मसभा में आचार्य भगवन उपदिष्ट हुए,आचार्यश्री ने कहा कि जिनशासन को बढ़ाने वाली महिला के संतान पैदा हो सकती है। पर हर कोई वामादेवी व त्रिशला माता नहीं बन सकती। भक्ति करके ऐसी संतान तो उत्पन्न हो सकती है। घर में अगर बच्चा पैदा होता है तो सूतक लग जाता है,लेकिन जब तीर्थंकर बालक का जन्म होता है तो ऐसे नारकी जिनको जीवन भर सूतक लगता है,उनको भी एक पल के लिए शांति मिल जाती है। तीर्थंकर का रूप इतना संदर होता है कि देवता लोग भी भगवान के बाल रूप को देखने के लिए तरस जाते है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में वीतरागता परमात्मा से बढ़कर और कोई नहीं है। अगर मंजिल तक पहुंचना है तो सामान कम रखिए और जीवन को यदि आसानी से जीना है जो जंजालों को कम रखिए। भारतीय संस्कृति दो को भी यह दशार्ती है कि वह एक हैं, तभी तो इंद्र जब यह कहते हैं कि मेरे समस्त साम्राज्य को ले लो पर भगवान मुझे सौंप दो, तब शची कहती है, हे नाथ यह तो पहले से ही मेरा है। मैं तो भगवान की अनुपम मुखारविन्द को निहार रही हूं। ऐसा इस देश में ही होता है अन्यत्र कहीं नहीं होता। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि इसके बाद महोत्सव के तहत कार्यक्रम स्थल से अचरोल ग्राम के ताला मोड तक भगवान के जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली गई। बैंड बाजों के साथ निकली इस शोभायात्रा हाथी व बग्गियों पर सौधर्म इन्द्र सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणी चल रहे थे और ध्वजा हाथ में लेकर श्रावक चल रहे थे। शोभायात्रा में गूंजा भजन पारस प्यारा लागे...तुमसे लागी लगना...रोम-रोम से निकले प्रभुवर ...जैसी भजनों पर श्रावक-श्राविकाएं भाव-विभोर होकर नाच रहे थे,जिन-जिन मार्गों से यह शोभायात्रा गुजरी,वे सभी मार्ग भक्ति और आस्था के रंग में डूबे नजर आए। यह शोभायात्रा भगवान के बालरूप के साथ पांडुंक शिला पर पहुंची,जहां पर सौधर्म इन्द्र श्रीमती प्रियांगी-कमल खंडाका,धनपति कुबेर श्रीमती ममता सौगानी-शांति कुमार सौगानी जापान वाले, महायज्ञनायक श्रीमती राजुल-राजकुमार खंडाका व ईशान इन्द्र श्रीमती निलेष-नेक कुमार खण्डाका सहित अन्य इन्द्र-इन्द्राणियों ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान का 1008 कलशो से अभिषेक व विमान पुष्पवर्षा की गई। इसके बाद श्रृंगार, नामकरण, जन्मकल्याण के संस्कार तथा सायंकाल में भगवान का पालना व भगवान की बालक्रीड़ाएं हुई। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव से जुड़े नेम प्रकाश खण्डाका देवप्रकाश खंडाका और संत कुमार खण्डाका ने बताया कि महोत्सव के तहत बुधवार को सुबह 6.30 बजे से तपकल्याणक मनाया जाएगा। जिसके तहत जन्मकल्याणक पूजा,तीर्थंकर प्रभु का वनविहार,नाग-नागिन दृष्य, व दोहर में 12.30 बजे युवराज अभिषेक,महाराजा अश्वसेन का दरबार भगवान का वैराग्य,दीक्षा व सायंकाल 7 बजे से पार्श्वनाथ के 10 भवों के नाटकों का मंचन किया जायेगा। मुख्य संयोजक रुपेन्द्र छाबड़ा ने बताया कि समारोह मे समाज श्रेष्ठी ज्ञानचंद झांझरी, राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा', समाचार जगत के संपादक शैलेंद्र गोधा, समाजसेवी संपत पांड्या, महावीर पहाड़िया, पदम बिलाला, अशोक बाकलीवाल, समाचार जगत से चक्रेश जैन, शाबाश इंडिया के प्रधान संपादक राकेश गोदीका, जैन गजट संवाददाता राजा बाबू गोधा, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी के संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्टिजन शामिल हुए।